नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी ''बी''
महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर
स्थापित २००५ ई.
7897475917, 9794299451
Website: www.mpm.edu.in
E-mail : mpmpg5@gmail.com

पत्रांक..... दिनांक : 08-08-2019

प्रकाशनार्थ

महाराणा प्रताप पी0जी0 कालेज जंगल धूसड़, गोरखपुर में राजनीतिशास्त्र विभाग के तत्वावधान में **'जम्मू एवं कश्मीर का बदलता परिदृश्य अनुच्छेद 370 से लेकर संघराज्य क्षेत्र के विशेष सन्दर्भ'** में विषय पर विशिष्ट व्याख्यान देते हुए दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर के राजनीतिशास्त्र विभाग के अध्यक्ष **प्रो0 गोपाल प्रसाद** ने कहा कि जम्मू एवं कश्मीर के लिए वर्तमान घटना बदलते भारत की सर्वाधिक महत्वपूर्ण पहल है। मोदी सरकार एवं भारतीय संसद की यह उपलब्धि **जम्मू–कश्मीर एवं लद्दाख के लिए एक नया सवेरा है।** अब जम्मू–कश्मीर में बदलाव की गति तीव्रता के साथ विकास की ओर ले जायेगी। यह न केवल जम्मू एवं कश्मीर के लोगों की समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करेगा बल्कि एक भारत और श्रेष्ठ भारत के निर्माण की प्रमुख कड़ी बनेगा। केन्द्र की मोदी सरकार का यह युगान्तकारी निर्णय सम्पूर्ण भारतवासियों का निर्णय है। प्रत्येक देशवासी सहित प्रवासीय भारतीय भी इस निर्णय से गौरवान्वित हो रहे हैं। जम्मू–कश्मीर में अनुच्छेद 370 की समाप्ति अपने आप में राष्ट्रीय सुरक्षा को पुख्ता और आतंकवाद का समूल नाश का पर्याय बनेगा, साथ ही जम्मू–कश्मीर और लद्दाख को दो अलग–अलग केन्द्र शासित संघराज्य क्षेत्र बनाने का निर्णय दृढ़ इच्छा शक्ति जनकल्याण की भावना का परिचायक है। इस निर्णय ने एक विधान, एक निशान और एक प्रधान के कठिन स्वप्न को पूरा किया है। बगैर लड़े इतनी बड़ी विजय विश्व इतिहास के लिए शायद उदाहरण बनेगा।

प्रो0 गोपाल प्रसाद ने आगे कहा कि जम्मू–कश्मीर में अनुच्छेद 370 उनके स्वयं के विकास लिए सबसे बड़ा बाधक थी। कुछ सत्तालोलुप राजनीतिक परिवार के लोगों ने अपने स्वार्थ के लिए इस अनुच्छेद का लगातार दुरुपयोग किया। देश की मुख्य धारा से जम्मू–कश्मीर को अलग रखने में अनुच्छेद 370 एक विकृति के रूप में था। जम्मू–कश्मीर के लोगो को विकास के विभिन्न अवसरों से वंचित करने वाली धारा की समाप्ति के साथ ही वहॉ पर रोजगार और समृद्धि का मार्ग खुल जायेगा। जम्मू–कश्मीर और लद्दाख के लोगों का यह परम सौभाग्य है कि केन्द्र की मोदी सरकार के सकारात्मक प्रयास से संघीय क्षेत्र के निवासी बनेंगे। इसी के साथ यह निर्णय अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति और कूटनीति की दृष्टि से भी अहम है। विश्व मानचित्र पर भारत के कद में गुणात्मक वृद्धि भी हुयी है। पाकिस्तान सहित कुछ देश जो जम्मू–कश्मीर के मुद्दे के सम्बन्ध में भ्रम फैलाते थे उनकी भी दुकान आज बन्द हो गयी है। **भारत सरकार एवं संसद ने अपने इस निर्णय से सुरक्षा, विकास, रोजगार, पर्यटन, मानवीय मूल्य और विदेशनीति जैसे महत्वपूर्ण बिन्दुओ को एक साथ पुष्ट किया है वही आतंकवाद जैसे कभी न समाप्त होने वाले नासूर को भी एक ही झटके में निर्मूल दिया है।**

इसके पूर्व प्राचार्य डॉ0 प्रदीप कुमार राव ने प्रो0 गोपाल प्रसाद को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर कार्यक्रम में स्वागत एवं अभिन्दन किया। प्रस्ताविकी डॉ0 कृष्ण कुमार, आभार ज्ञापन, डॉ0 यशवन्त राव तथा संचालन डॉ0 अविनाश प्रताप सिंह ने किया।

(वागीश राज पाण्डेय)
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी